

Indigenously built ballistic missile Agni-I test-fired off Odisha coast

Weighing about 12 tonnes, the 700-km range missile is capable of carrying a nuclear warhead up to one tonne.

Bhubaneswar: India on Tuesday successfully test-fired indigenously built nuclear capable Agni-I ballistic missile from an Interim Test Range (ITR) off Odisha coast.

The surface-to-surface missile, powered by solid propellants, was test-fired from a mobile launcher at 10.10 am from Launch Pad-4 of the ITR at Abdul Kalam Island (Wheeler Island), defence officials said.

The missile was fired under supervision of the scientists of the Defence Research and Development Organisation (DRDO). The trajectory of the trial was tracked by a battery of sophisticated radars, telemetry observation stations, electro-optic instruments and naval ships from its launch till the missile hit the target area with accuracy, DRDO sources.

The last trial of the Agni-I missile was successfully carried out on March 14 from the same base. Weighing about 12 tonnes, the 700-km range missile is capable of carrying a nuclear warhead up to one tonne.

The 15-metre long missile carried dummy war head and the flight duration was about 10 minutes when the missile landed at its target in the Bay of Bengal.

Developed by Advanced Systems Laboratory (ASL), in collaboration with Defence Research Development Laboratory and Research Centre and integrated by Bharat Dynamics Limited, Hyderabad, Agni-I has already been inducted into the Army and has proved worthy in terms of its range and accuracy.



Agni-I missile test-fired

The strategic missile, Agni-I, was test-fired at 10.08 a.m. on Tuesday from the Wheeler Island, off Damra village on the Odisha coast.

The Strategic Forces Command (SFC) fired the missile positioned on a massive truck called a road-mobile launcher.

Informed sources called the flight “a great success” but stressed that it was a routine mission. From the missile’s lift-off to its reaching a targeted area in the Bay of Bengal, the mission lasted about 10 minutes.

G. Satheesh Reddy, Scientific Advisor to the Defence Minister and Director-General (Missiles and Strategic Systems), Defence Research and Development Organisation (DRDO), and officers of the SFC watched the launch from a Block House on the island.

There are five Agni variants from Agni-I to Agni-V which form the bulwark of India’s nuclear deterrence programme. The DRDO designed and developed the series of Agni missiles.

India test-fires Agni-I ballistic missile

India on Tuesday successfully test-fired its indigenously built nuclear capable Agni-I ballistic missile, which can hit a target 700 km away, as part of a user trial by Army from a test range off Odisha coast. The surface-to-surface missile, powered by solid propellants, was test-fired from a mobile launcher at 10.10 am from launch pad-4 of the Integrated Test Range (ITR) at Abdul Kalam Island (Wheeler Island), defence officials said. Describing the trial as successful, they said the launch of the intermediate range single-stage missile was “part of training exercise by Strategic Forces Command of Indian Army”, they said.

“The launch was undertaken as periodic training activity by SFC to further consolidate operational readiness,” they said. The trajectory of the trial was tracked by a battery of sophisticated radars, telemetry observation stations, electro-optic instruments and naval ships from its launch till the missile hit the target area with accuracy, they said.

Agni-I missile is equipped with sophisticated navigation system which ensures it reaches the target with a high degree of accuracy and precision. The missile, which has already been inducted into armed forces, has proved its excellent performance in terms of range, accuracy and lethality, they said. Weighing 12 tonnes, the 15-metre-long Agni-I is designed to carry a payload of more than one tonne. Its strike range can be extended by reducing the payload.

Agni-I was developed by a premier missile development laboratory of DRDO in collaboration with Defence Research Development Laboratory and Research Centre Imarat and integrated by Bharat Dynamics Limited, Hyderabad. The last trial of Agni-I was conducted successfully on March 14, 2016 from the same base.

नवभारत टाइम्स

अग्नि-1 मिसाइल का सफल ट्रायल

■ भाषा, बालासोर : भारत ने मंगलवार को परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम स्वदेश निर्मित बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-1 का सफलतापूर्वक प्रायोगिक ट्रायल किया। यह मिसाइल 700 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य को भेद सकती है। इस परीक्षण को ओडिशा के तट पर स्थित परीक्षण रेंज से अंजाम दिया गया। अग्नि-1 का पिछला ट्रायल इसी बेस से 14 मार्च 2016 को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि सतह से सतह पर मार सकने में सक्षम इस मिसाइल

को अब्दुल कलाम आइलैंड की लॉन्च पैड संख्या 4 से सुबह 10.10 बजे लॉन्च किया गया। इस ट्रायल को सफल बताते हुए उन्होंने कहा कि मध्यम दूरी तक मार करने वाली की एकल चरण मिसाइल का ट्रायल भारतीय सेना की रणनीतिक बल कमान के प्रशिक्षण अभ्यास का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ‘इस ट्रायल को रणनीतिक बल कमान ने तय अंतराल पर होने वाली प्रशिक्षण गतिविधि के तौर पर अंजाम दिया।’



- बैलिस्टिक मिसाइल की मारक क्षमता 700 किलोमीटर
- सतह से सतह पर मार सकने में सक्षम है यह मिसाइल
- आधुनिक दिशासूचक प्रणाली से लैस है अग्नि-1
- 15 मीटर लंबी इस मिसाइल का वजन 12 टन
- पिछला सफलतापूर्वक ट्रायल 14 मार्च 2016 को

अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का प्रायोगिक परीक्षण

बालेश्वर (ओडिशा), (भाषा): भारत ने आज परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम स्वदेश निर्मित बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-1' का सफलतापूर्वक प्रायोगिक परीक्षण किया। यह मिसाइल 700 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य को भेद सकती है।

इस परीक्षण को ओडिशा के तट पर स्थित परीक्षण रेंज से अंजाम दिया गया। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि सतह से सतह पर मार सकने में सक्षम इस मिसाइल को अब्दुल कलाम आइलैंड (क्वीलर आइलैंड) की लॉन्च पैड संख्या 4 से सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर प्रक्षेपित किया गया। इस परीक्षण को सफल बताते हुए उन्होंने कहा कि मध्यम दूरी तक मार करने वाली की एकल चरण मिसाइल का परीक्षण "भारतीय सेना

रणनीतिक प्रशिक्षण

■ यह मिसाइल 700 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य को भेद सकती है

की रणनीतिक बल कमान के प्रशिक्षण अभ्यास का हिस्सा है।" उन्होंने कहा, "इस परीक्षण को रणनीतिक बल कमान ने तय अंतराल पर होने वाली प्रशिक्षण गतिविधि के तौर पर अंजाम दिया।"

उन्होंने कहा कि इस परीक्षण से जुड़े पथ का निरीक्षण आधुनिक रडारों, टेलीमीट्री पर्यवेक्षण स्टेशनों, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक यंत्रों और नौवहन पोतों की मदद से किया गया। यह निरीक्षण मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर उसके लक्ष्य तक पहुंच जाने तक सटीकता के साथ किया गया।

भारत के परमाणु-सक्षम अग्नि-1 मिसाइल (रेंज- लगभग 700 किमी) का ओडिशा तट के अब्दुल कलाम द्वीप (क्वीलर द्वीप) से सफल प्रक्षेपण



अग्नि-1 मिसाइल आधुनिक दिशासूचक प्रणाली से लैस है, जो यह सुनिश्चित करती है कि मिसाइल उच्चतम सटीकता के साथ लक्ष्य पर पहुंच जाए।

रक्षा अधिकारियों ने कहा कि पहले ही सैन्य बलों में शामिल की

जा चुकी मिसाइल ने रेंज, सटीकता और मारक क्षमता के रूप में अपनी उत्कृष्ट क्षमता साबित की है। मिसाइल का वजन 12 टन है और यह 15 मीटर लंबी है। इसे एक टन से ज्यादा का पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी मारक क्षमता को पेलोड घटाकर बढ़ाया जा सकता है। अग्नि-1 को डीआरडीओ की प्रमुख मिसाइल विकास प्रयोगशाला ने रक्षा अनुसंधान विकास प्रयोगशाला एवं अनुसंधान केन्द्र इमारत के साथ मिलकर विकसित किया था और इसका समाकलन भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हैदराबाद ने किया है। अग्नि-1 का पिछला परीक्षण इसी बेस से 14 मार्च 2016 को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया था।

दैनिक जागरण

अग्नि-1 मिसाइल का सफल परीक्षण

जागरण
संवाददाता,
बालासोर :
परमाणु हथियार
ले जाने में सक्षम
बैलिस्टिक
मिसाइल अग्नि-
1 का ओडिशा
के बालासोर से
करीब 100
किलोमीटर दूर



अग्नि-1 (फाइल फोटो)

अब्दुल कलाम द्वीप (क्वीलर द्वीप) स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (आइटीओर) से मंगलवार को सफल परीक्षण किया गया।

यह मिसाइल परीक्षण के दौरान अपने सभी मापदंडों पर खरी उतरी। सतह से सतह पर मार करने वाली इस मिसाइल का सुबह 10 बजकर नौ मिनट पर परीक्षण किया गया। यह अपने पीछे नारंगी व सफेद रंग के धुएं का मार्ग बनाती आकाश में चली गई और अपनी निर्धारित दूरी को छूने के बाद बंगाल की खाड़ी में समा गई। इस मिसाइल का इस्तेमाल करने वाली भारतीय सेना की सामरिक बल की टीम ने इस परीक्षण का संचालन किया। इसके लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जरूरी साजो सामान मुहैया कराया था। इस मिसाइल की मारक क्षमता 900 किलोमीटर है।